>

Title: Need to provide funds for maintenance of roads in Arunachal Pradesh bordering China and Myanmar.

श्री निनोंग ईरींग (अरुणाचल पूर्व): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से राष्ट्रीय मार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्री तथा रक्षा मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हमारी सीमा सड़क बल की अरुणाचल प्रदेश में चीन और म्यांमार की जो सीमाएं हैं, अरुणाचल प्रदेश में 1200 कि.मी. की सीमा है। उसमें खासतौर से अपरसियांग, दिबांग वैली और अंजाउ जिलों में चीन और म्यांमार का प्रभाव तो है ही और वहां किस प्रकार से विकास हो रहा है, इसकी जानकारी आप सबके पास है क्योंकि हर बार इस विषय पर सदन में चर्चा होती है। आपके माध्यम से इन दोनों विभागों को मैं बताना चाहूंगा कि हाल ही में मैं एक दौरे में केलिंग, सिंगा और तूतिंग में गया था जो 1962 में चीन में केपांगलापास के द्वारा वे लोग आए थे और आक्रमण किया था। वहां जो स्थिति जिस समय हमने देखी थी, वह अभी भी वैसी ही है। वही कारण है कि वहां अभी तक यातायात की सुविधा नहीं है और हम जिस समय वहां गये थे, वहां सेना के नौजवान एवं सीमा सड़क बल के अधिकारियों ने हमें जानकारी दी कि यहां पर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन की फाइलेंसिंग और बजटिंग यहां पर बहुत ही कम है, इसलिए वहां अभी तक सड़क नहीं बन पाई है। हाल ही में हमारे रक्षा मंत्री जब अरुणाचल प्रदेश गये थे, वहां पर भी इस बारे में चर्चा हुई। विपक्ष के नेताओं से भी इस पर चर्चा हो रही है और अभिभाषण में भी उन्होंने इस बात का जिक्र किया है। इसलिए हम चाहते हैं कि जैसे सिक्किम में नाथूलापास से हम चाहते हैं कि दुश्मनी का नहीं लेकिन दोस्ती का हाथ बढ़ाने के लिए, यातायात की सुविधा होनी चाहिए क्योंकि इससे वहां पर्यटन बढ़ सकता है और सिर्फ चीन और भारत का दो कि.मी. का एक फासला है जिस जगह की मैं चर्चा कर रहा हूं। इसलिए आपके माध्यम से इस सरकार से मैं अनुरोध करूंगा कि यहां अगर हम यातायात के लिए सड़क बना सकेंगे तो दुश्मनी नहीं बल्कि हम दोस्ती का हाथ बढ़ाकर एक तरह का ट्रेड सेंटर हम बना सकते हैं। इसलिए तूतिंग एरिया के लिए मैं विशेष तौर से आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं कि सरकार इस पर थोड़ा ध्यान दे।